श्री विजयवर्गीय समाज इकाई नयापुरा की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में माननीय अध्यक्ष का सम्बोधन

श्री विजयवर्गीय समाज इकाई नयापुरा की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर समाज के समस्त सदस्यों और नवगठित कार्यकारिणी को बधाई देता हूँ। आप सभी को बहुत बहुत शुभकामनाएं।

नई कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण के साथ ही आज यहाँ उत्कृष्ट कार्य करने समाज बंधुओं का सम्मान भी किया गया है। मैं सम्मान प्राप्त करने वाले सभी साथियों को बधाई देता हूँ। सेवा और सरोकार हमारे समाज के आदर्श हैं। आपने इन आदर्शों को बनाकर रखा है और साथ ही आपके कार्य नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा है। मैं आपको शुभकामनाएं देता हूँ।

आज इस कार्यक्रम में हमने समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान भी किया है। दिन रात के परिश्रम से आईआईटी और मेडिकल में सलेक्शन लेने वाले इन छात्रों को मैं बहुत बहुत बधाई देता हूँ। आप इसी तरह निरंतर मेहनत करते हुए अपने घर-परिवार, समाज और देश का नाम रोशन करो; मैं सभी विद्यार्थियों को यह शुभकामनाएं देता हूँ।

आज के कार्यक्रम में सम्मानित होने वाले वृद्धजनों को मैं प्रणाम करता हूँ। समाज को अपने अनुभव और जीवन दर्शन से आगे बढ़ाने का कार्य आपने किया है। आपके शिक्षा और संस्कारों का ही परिणाम है कि विजयवर्गीय समाज आज इतना काबिल बन पाया है। आज समाज अपने बड़े-बुजुर्गों का सम्मान कर रहा है, यह बहुत सुखद है।

देश की प्रगति एवं समृद्धि में परिश्रमी, संस्कारी और समर्पित वैश्य समाज का बड़ा योगदान रहा है। महाराजा अग्रसेन द्वारा दी गई शिक्षा एवं संस्कार वैश्य समाज को निरंतर समाज सेवा एवं समाज कल्याण के रास्ते की ओर बढ़ाती है।

देश में शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक विकास से लेकर रोजगार सृजन कर विजयवर्गीय समाज ने देश को आगे बढ़ाया है। स्वतंत्रता संग्राम से लेकर अमृत काल तक इस समाज ने सामाजिक आर्थिक परिवर्तन हेतु कई संकल्प पूरे किए हैं।

राष्ट्र के विकास में, वैश्य समाज की भूमिका इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठों पर अंकित करने योग्य है। इस समाज का राष्ट्र की आर्थिक और औद्योगिक प्रगति में तो उल्लेखनीय

योगदान रहा ही है, इसी के साथ जीवन का कोई क्षेत्र ऐसा नहीं है, जो हमारे समाज के योगदान से गौरवान्वित न हुआ हो।

आज हमारा देश दुनिया की पाँचवी बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। देश के इस विकास में देश की अर्थव्यवस्था को ऊंचाई पर पहुँचाने में समाज का योगदान अतुलनीय है। इसलिए अब जब भारत अमृतकाल की यात्रा में आगे बढ़ रहा है तो 21वीं सदी में देश को दुनिया के शिखर पर ले जाने के लिए सबसे अधिक उम्मीदें हमारे समाज से है।

विजयवर्गीय वैश्य समाज ने समय के साथ उन्नति की है। व्यापार, शिक्षा, समाज सेवा से लेकर कई क्षेत्रों में आज समाज का परचम है। लेकिन राजनीति, खेल और प्रशासन सहित कुछ क्षेत्र ऐसे भी हैं जहाँ अभी हमें अपना स्थान बनाना है।

हमें शिक्षा के साथ संस्कारों से सुसज्जित पीढ़ी तैयार करनी है जो अपना और समाज का विकास तो करें ही, इसी के साथ देश की प्रगति में भी पूरी भूमिका निभाएं। समाज का यह मंच समाज के सभी सदस्यों को जोड़ता है, एक साथ लाता है। इसी बहाने हम आपस में समाज के मुद्दों पर चर्चा – विमर्श करते हैं और समाज को किस तरह और आगे बढ़ाया जा सकता है, इस पर हम कार्य योजना तैयार करते हैं। ऐसे आयोजनों से देश भर के समाज के सदस्यों को ये मौका मिलता है कि वो देश भर में अपना नेटवर्क बना सकें और देश भर में समाज के लोगों से जुड़ सकें। हमें समाज के सब लोगों के साथ में यह विचार करना चाहिए कि शिक्षा, व्यापार से लेकर जीवन के हर एक क्षेत्र में हम किस तरह से अपने आप को और आगे बढ़ा पाए। किस तरह से हम समाज को और आगे ले जा पाएं।

क्या आज समाज के सभी बालक-बालिकाओं को उच्च शिक्षा मिल पा रही है? क्या हमारे युवाओं को आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर मिल रहे हैं? और क्या हमारे बड़े-बुजुर्गों को घर में और घर के बाहर पूरा सम्मान मिल रहा है? हम इन सभी बातों पर ध्यान दें। समाज के एक भी व्यक्ति को परेशानी है तो सारे समाज के लिए परेशानी है। एक भी व्यक्ति दुखी है तो पूरा समाज सुखी नहीं हो सकता है। समाज एक परिवार की तरह होता है। हमारी कोशिश होनी चाहिए कि हम समाज रूपी अपने परिवार के सभी लोगों को साथ लेकर आगे बढ़ें। कोई समाज बंधु पीछे ना छूटे। सभी एक – दूसरे का हाथ पकड़कर एक दूसरे को आगे बढ़ाएं। इस तरह अपने आप को आगे बढ़ाएं, समाज का विकास करें और देश की तरक्की में अपनी भूमिका निभाएं।

इसी संदेश के साथ आप सभी को अनेक अनेक शुभकामनाएं। मुझे विश्वास है कि यह नई कार्यकारिणी विजयवर्गीय समाज की उन्नति में सार्थक योगदान देगी। समाज से

नौजवान नई सोच के साथ आगे बढ़ेंगे। हमारा समाज अन्य समाजों के सामने उदाहरण प्रस्तुत करेगा। सभी मिलकर अपने समाज और देश को आगे बढ़ाएं।

———